आजमगढ़, उत्तर प्रदेश में दूरसंचार विभाग द्वारा निष्पादित योजनाएं

3408. **श्री राम नरेश यादव** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में दूरसंचार विभाग द्वारा निष्पादित की जा रही योजनाओं की संख्या क्या है ;

(ख) इन योजनाओं पर कार्य कब तक पूरा हो जाएगा; और

(ग) क्या कुछ नई परियोजनाएं भी आरम्भ किए जाने की संभावना है, यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) और (ख) ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं **(नीचे देखिए)** :

(ग) जी हां । ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

(1) आजमगढ़ में 2000 लाइनों के मुख्य सी-डॉट एक्सचेंज की, 1993–94 के दौरान संस्थापना किए जाने की संभावना है ।

(2) आजमगढ़ के सभी तालुका मुख्यालयों में 01–4–95 तक एस० टी० डी० प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है ।

विवरण

1. आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 13 नान-इलेक्ट्रानिक एक्सचेंजों के उत्तरोत्तर रूप से इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज में बदलने की योजना है ।

2. आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 2098 ग्राम पंचायतों में दूरसंचार सुविधाएं प्रदान करने की योजना है ।

3. मऊ-आजमगढ़-दोहरीघाट-देवरिया के बीच 1994 तक एक 7 जगाहर्टज (34 एम० वी०) सूक्ष्म तरंग की स्कीम को पूरा करने की योजना है ।

राजस्थान में टेलीफोन सलाहकार समिति गठित करना

3409. **श्री मूल चन्द मीणा** :

श्री इकबाल सिंह :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में अब तक किन-किन क्षेत्रों में टेलीफोन सलाहकार समितियां गठित की गई हैं ;

(ख) टेलीफोन सलाहकार समिति में कितने सदस्य नियुक्त किए जाने अपेक्षित हैं; और

(ग) क्या टेलीफोन सलाहकार समितियां गठित करते समय स्थानीय प्रतिनिधियों की राय नहीं ली गई थी और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) राजस्थान के जिन क्षेत्रों में दूर संचार सलाहकार समितियों का गठन किया गया है वे इस प्रकार हैं :—

1. राजस्थान सर्किल
2. जयपुर दूरसंचार जिला

(ख) यह निश्चित नहीं है कि सभी दूरसंचार सलाहकार समितियों में सदस्यों की संख्या बराबर हो ।

(ग) संचार राज्य मंत्री के कार्यालय में विभिन्न स्थानीय निकायों तथा जन-प्रतिनिधियों से अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे । दूरसंचार सलाहकार समितियों का गठन करते समय इन पर तथा मुख्य महाप्रबंधक, राजस्थान सर्किल के कार्यालय से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार किया गया ।